

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	सहकारिता विभाग में 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान
2.	राजस्थान मृत शरीर का सम्मान अधिनियम, 2023
3.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. देश का पहला और एकमात्र सरकारी मल्टी-साइट ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म : OBMS 2. वर्चुअल नॉलेज सीरीज का चौथा संस्करण 3. कम्प्लायन्स रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन अभ्यास का दूसरा चरण 4. देश का प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम 5. राज्य के तीन ज़िलों में चंदन वनों की स्थापना 6. कारगिल शहीद विजेन्द्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण 7. चर्चा में राजस्थान का ओड समाज 8. ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से संबंधित संसदीय स्थायी समिति का राजस्थान दौरा 9. साइकलिस्ट मंजू चौधरी 10. ऑपरेशन री-कॉल 11. सब जूनियर स्टेट शूटिंगबॉल चैंपियनशिप (अंडर-17) 12. देवर्षि नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह
4.	प्रसार भारती
5.	अग्नि सुरक्षा सप्ताह (4 से 10 मई, 2026)
6.	विश्व एथलेटिक्स रिले, 2026
7.	AFC चैंपियंस लीग, 2026
8.	अंतर्राष्ट्रीय विश्व खेल संघ में शामिल हुआ फिडे
9.	एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप, 2026

--:1:--

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



10.	लिपुलेख दर्दा
11.	FDI नियमों में बदलाव
12.	संसदीय समितियां
13.	नीति आयोग का पुनर्गठन
14.	राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) 2.0
15.	CINBAX अभ्यास
16.	OptoSAR सैटेलाइट मिशन 'दृष्टि' प्रक्षेपित
17.	MRI प्रणाली
18.	प्रोजेक्ट दीपक और सीमा सड़क संगठन (BRO)

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--2--



सहकारिता विभाग में 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान

चर्चा में क्यों?

- 4 से 29 मई, 2026 तक सहकारिता विभाग में चरणबद्ध रूप से 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान का संचालन किया जा रहा है।

सहकारिता विभाग में 'स्वच्छ सहकार, समृद्ध सहकार' अभियान का शुभारम्भ



- ▶ 4 से 29 मई तक तीन चरणों में संचालित होगा अभियान
- ▶ '5S' पद्धति अपनाने से स्वच्छता, सुव्यवस्था एवं कार्यकुशलता को मिलेगा बढ़ावा
- ▶ शासन सचिव, सहकारिता ने नेहरू सहकार भवन में कार्यालयों का सघन निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

📞 📧 📱 RajGovOfficial



--:3:--



मुख्य बिन्दु:

- **अभियान का मुख्य उद्देश्य** : कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करना, कार्यालयों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाना तथा प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाना।
- यह अभियान सहकारिता के प्रधान कार्यालय एवं अधीनस्थ कार्यालयों में संचालित किया जाएगा, जिसमें कार्यालयों की साफ-सफाई सहित चिह्नित रिकॉर्ड एवं कबाड़ के निस्तारण की कार्यवाही की जाएगी।
- **अभियान का लक्ष्य** : सभी कार्यालयों एवं संस्थानों में कुशल प्रबंधन, स्वच्छता, कार्यकुशलता एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी के लिए '5S' पद्धति को व्यवहार में लाना।
- **Seiri (छँटाई)** : अनुपयोगी एवं पुरानी फाइलों, सामग्री एवं उपकरणों की पहचान कर उन्हें पृथक् करते हुए नियमानुसार निस्तारण।
- **Seiton (सुव्यवस्था)** : आवश्यक फाइलें, अभिलेख एवं उपकरण निर्धारित स्थान पर सुव्यवस्थित रखना तथा अलमारी, रैक, स्टोर एवं डेस्क पर स्पष्ट लेबलिंग करना।
- **Seiso (स्वच्छता)** : कार्यालय कक्षों, बरामदों, स्टोर आदि की नियमित साफ-सफाई कर कार्यस्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं आकर्षक बनाना।
- **Seiketsu (मानकीकरण)** : कार्यालय व्यवस्था, फाइल प्रबंधन एवं स्वच्छता के लिए एकरूप मानक अपनाते हुए नियमित अनुरक्षण की प्रक्रिया निर्धारित करना।
- **Shitsuke (अनुशासन)** : सभी कार्मिकों में स्वच्छता एवं सुव्यवस्थित कार्य संस्कृति विकसित करना।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

राजस्थान में सहकारी आंदोलन:

- राजस्थान में सहकारी आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 में अजमेर से हुई।

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



- **वर्ष 1904** : ब्रिटिश भारत सरकार द्वारा 'सहकारी ऋण समिति अधिनियम' पारित किया गया। तत्पश्चात 25 अक्टूबर, 1905 को भिनाय (अजमेर) में राज्य की प्रथम सहकारी समिति की स्थापना की गई।
- **वर्ष 1904** : डीग में राज्य के प्रथम सहकारी कृषि बैंक की स्थापना की गई।
- **वर्ष 1910** : अजमेर में प्रथम केंद्रीय सहकारी बैंक की शुरुआत।

सहकारिता से संबंधित राजस्थान के प्रमुख संस्थान:

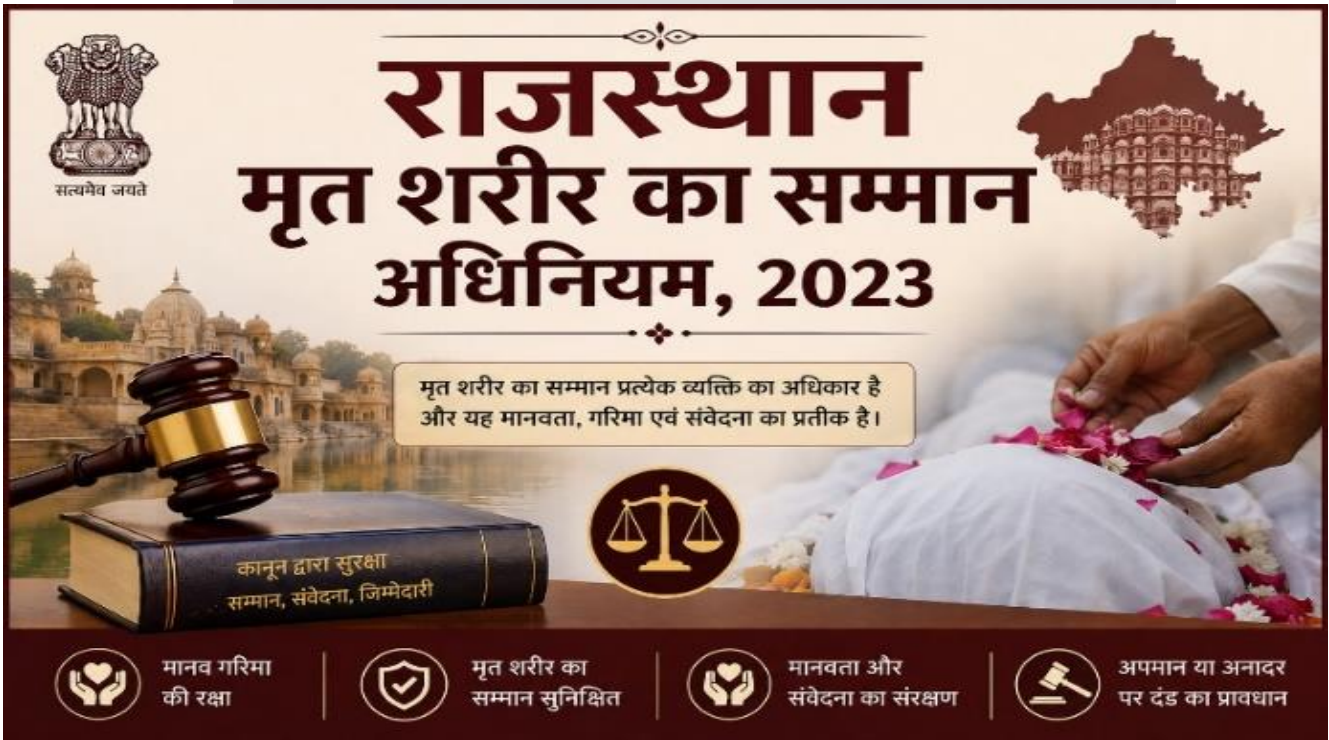
संस्थान का नाम	स्थापना	मुख्यालय
राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड (अपेक्स बैंक)	1953	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (राजफैड)	1957	जयपुर
राजस्थान राज्य तिलहन उत्पादक सहकारी संघ (तिलम संघ)	1990	जयपुर
राजस्थान सहकारी शिक्षा और प्रबंधन संस्थान (RICEM)	1990	जयपुर
राजस्थान सहकारी डेयरी फेडरेशन लिमिटेड (RCDF)	1977	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड, जयपुर (कॉनफेड)	1967	जयपुर
राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास बैंक लिमिटेड	1957	जयपुर

--:5:--

राजस्थान मृत शरीर का सम्मान अधिनियम, 2023

चर्चा में क्यों?

- राजस्थान सरकार द्वारा 'राजस्थान मृत शरीर का सम्मान अधिनियम, 2023' के सभी प्रावधान राज्यभर में लागू किए गए।



मुख्य बिन्दु:

- 'मृत शरीर का सम्मान अधिनियम' लागू करने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य है।
- इस कानून के लागू होने से अब राजस्थान में मृत शरीर को रखकर विरोध प्रदर्शन करना, लाश पर राजनीति करना और बिना वजह अंतिम संस्कार में देरी करना अपराध माना जाएगा।
- इस अधिनियम को लागू करने का उद्देश्य मृत व्यक्ति की गरिमा को बनाए रखना है। साथ ही, ऐसे मामलों पर रोक लगाना है, जहाँ मुआवजे या अन्य माँगों के लिए शवों का दुरुपयोग किया जाता है।

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



- इस अधिनियम के अनुसार, मृतक का अंतिम संस्कार 24 घंटे के अंदर करना अनिवार्य होगा। देरी सिर्फ मृतक के परिजन बाहर से आ रहे हों या फिर पोस्टमॉर्टम आवश्यक हो इन्हीं परिस्थितियों में स्वीकार्य होंगी।

अधिनियम के प्रावधान :

क्र. सं.	कृत्य	सजा का प्रावधान
1.	मृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य द्वारा मृत शरीर को न लेना	एक वर्ष तक कारावास, शास्ति (अर्थदंड) या दोनों।
2.	मृत व्यक्ति के परिवार के सदस्य द्वारा मृत शरीर का विरोध में उपयोग करना या किसी अन्य व्यक्ति को अनुमति देना	दो वर्ष तक कारावास और शास्ति (अर्थदंड)।
3.	गैर-परिवार व्यक्ति द्वारा मृत शरीर का विरोध के लिए उपयोग करना	कम से कम छह माह से लेकर पाँच वर्ष तक कारावास तथा शास्ति (अर्थदंड)।
4.	यदि किसी प्राधिकृत व्यक्ति या व्यक्तियों द्वारा किसी प्रकार की जैनेटिक (आनुवंशिक) डाटा सूचना और सूचना की गोपनीयता को प्रकट किया जाता है	कम से कम तीन वर्ष से लेकर दस वर्ष तक कारावास तथा शास्ति (अर्थदंड)।
5.	मजिस्ट्रेट के 24 घंटे के नोटिस देने के बाद अगर परिवार शव लेने से इनकार करते हैं	एक वर्ष तक कारावास, शास्ति (अर्थदंड) या दोनों। (इस स्थिति में पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराएगी और अंतिम संस्कार करवाएगी)।

--7--

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>देश का पहला और एकमात्र सरकारी मल्टी-साइट ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म : OBMS</p> <ul style="list-style-type: none">■ राजस्थान सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा विकसित किया गया ऑनलाइन बुकिंग मैनेजमेंट सिस्टम (OBMS) देश का पहला और एकमात्र सरकारी मल्टी-साइट ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म है।■ यह देश का पहला ऐसा सरकारी प्लेटफॉर्म है, जहाँ से राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों, प्राकृतिक स्थानों और अन्य दर्शनीय स्थलों के लिए टिकट बुक किए जा सकते हैं।■ DoIT&C द्वारा विकसित यह सिस्टम पूरी तरह से पेपरलेस एंट्री और क्यूआर कोड आधारित टिकटिंग को बढ़ावा देता है।■ OBMS को वर्ष 2025 में स्कॉच अवॉर्ड में सिल्वर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
2.	<p>वर्चुअल नॉलेज सीरीज का चौथा संस्करण</p> <ul style="list-style-type: none">■ 4 मई, 2026 को राजस्थान फाउंडेशन द्वारा RIICO के सहयोग से 'वर्चुअल नॉलेज सीरीज' के चौथे संस्करण का आयोजन किया गया।■ इस आयोजन में राजस्थान फाउंडेशन के सभी 26 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय चैप्टर्स के अध्यक्ष एवं सदस्य, प्रवासी राजस्थानी और निवेशक जुड़े।■ नोट : इस सेशन में रीको की 'डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी' के बारे में आवेदन से लेकर अलॉटमेंट तक की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।■ राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) की 'डायरेक्ट लैंड अलॉटमेंट पॉलिसी-2025' (प्रत्यक्ष भूमि आवंटन नीति) औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई एक महत्वपूर्ण योजना है।■ इसका मुख्य उद्देश्य 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के तहत राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) करने वाले निवेशकों को पारदर्शी और त्वरित तरीके से भूमि उपलब्ध कराना है।

3.

कम्प्लायन्स रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन अभ्यास का दूसरा चरण

राजस्थान सरकार ने
'कम्प्लायंस रिडक्शन एंड
डीरेगुलेशन अभ्यास'
के द्वितीय चरण की कार्ययोजना को
अंतिम रूप दिया

16 विभागों में समस्त 28 प्राथमिकता क्षेत्रों
की कार्ययोजना को अंतिम रूप देकर
MIS पोर्टल पर किया अपलोड



- राजस्थान में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा कम्प्लायन्स रिडक्शन एंड डीरेगुलेशन (CRD) अभ्यास का दूसरा चरण संचालित किया जा रहा है।
- इस अभियान का मुख्य उद्देश्य व्यावसायिक गतिविधियों में आने वाली प्रशासनिक बाधाओं को कम करना और गैर-जरूरी नियमों को समाप्त करना है।

4.

देश का प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम

- राजस्थान के पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने हाल ही में जोधपुर के मोकलावास स्थित गौ संवर्द्धन आश्रम से 'देश के प्रथम पंचगव्य चिकित्सा पाठ्यक्रम' की कक्षाओं का शुभारंभ किया।
- यह पाठ्यक्रम डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं लक्ष्य पर्यावरण एवं जन कल्याण संस्था (विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त रिकॉग्नाइज्ड सेंटर) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित किया जा रहा है।
- पाठ्यक्रम के अंतर्गत पंचगव्य के सिद्धांत, औषधि निर्माण, विभिन्न रोगों के उपचार, पंचकर्म पद्धतियाँ, मानव स्वास्थ्य एवं जीवनशैली के साथ-साथ गौ-स्वास्थ्य, गौशाला प्रबंधन तथा गो-उत्पाद आधारित स्वरोजगार का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

5.	<p>राज्य के तीन ज़िलों में चंदन वनों की स्थापना</p> <ul style="list-style-type: none">राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के दक्षिण हिस्से में चंदन की खेती और संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बांसवाड़ा, सिरोही और उदयपुर में चंदन वनों की स्थापना की जाएगी।बाँसवाड़ा : झांतलिया क्षेत्र में।उदयपुर : बांकी वनखंड में।सिरोही : जनापुर क्षेत्र में।
6.	<p>कारगिल शहीद विजेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण</p> <ul style="list-style-type: none">उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने हाल ही में सीकर जिले के खंडेला में कारगिल शहीद विजेंद्र सिंह शेखावत की प्रतिमा का अनावरण किया।
7.	<p>चर्चा में राजस्थान का ओड समाज</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ओड समाज के साथ एक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया।राज्य में ओड समाज को उनकी अद्वितीय निर्माण कला और जल संरक्षण कौशल के लिए जाना जाता है। राजस्थान में जल संरक्षण की परंपरा को समृद्ध बनाने में ओड समाज का उल्लेखनीय योगदान रहा है।ओड समाज के लोगों को किलों, महलों और जलाशयों के निर्माण में माहिर माना जाता है।
8.	<p>ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से संबंधित संसदीय स्थायी समिति का राजस्थान दौरा</p> <ul style="list-style-type: none">1 से 4 मई, 2026 तक ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने राजस्थान दौरे में केंद्रीय योजनाओं की प्रगति और कार्यान्वयन की समीक्षा की।समिति ने सवाई माधोपुर में फील्ड विजिट कर PMAY-G, आजीविका मिशन और PMGSY जैसी योजनाओं का जमीनी आकलन किया।समिति के अध्यक्ष : सप्तगिरि शंकर उलका।

9.	<p>साइकलिस्ट मंजू चौधरी</p> <ul style="list-style-type: none">■ उत्तराखंड के रुद्रपुर स्थित शिवालिक वेलोड्रोम में 2 और 3 मई, 2026 को आयोजित 'अस्मिता खेलो इंडिया महिला राष्ट्रीय ट्रैक साइकिलिंग लीग' में खोखसर पश्चिम (बायतु, बाड़मेर) की मंजू चौधरी ने एक स्वर्ण व एक कांस्य पदक जीता।
10.	<p>ऑपरेशन री-कॉल</p> <ul style="list-style-type: none">■ भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा संचालित CEIR (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की सहायता से हाल ही में जयपुर पुलिस द्वारा 'ऑपरेशन री-कॉल' के माध्यम से 790 गुम मोबाइल बरामद किए।■ सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (CEIR) एक केंद्रीकृत प्रणाली है, जिसका मुख्य उद्देश्य चोरी हुए या खोए हुए मोबाइल फोनों को ब्लॉक करना और उन्हें ट्रैक करना है।
11.	<p>सब जूनियर स्टेट शूटिंगबॉल चैंपियनशिप (अंडर-17)</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजन : जोधपुर के वीणा भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सूरसागर में 1 से 3 मई, 2026 तक।■ बॉयज़ श्रेणी विजेता : जयपुर ने फाइनल में श्रीगंगानगर को 21-19, 21-16 से हराया।■ गर्ल्स श्रेणी विजेता : जयपुर ने फाइनल में अजमेर को 21-12, 21-18 से हराया।
12.	<p>देवर्षि नारद जयंती एवं पत्रकार सम्मान समारोह</p> <ul style="list-style-type: none">■ आयोजक : विश्व संवाद केंद्र (VSK) द्वारा जयपुर में।■ मुख्य अतिथि : राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. वासुदेव देवनाणी। <p>पुरस्कार :</p> <ul style="list-style-type: none">■ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में : लखबीर सिंह।■ डिजिटल मीडिया श्रेणी में : राम गोपाल जाट।■ प्रिंट मीडिया श्रेणी में : मदन कलाल।

राष्ट्रीय परिदृश्य

प्रसार भारती

चर्चा में क्यों?

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने प्रसून जोशी को प्रसार भारती का नया अध्यक्ष नियुक्त किया।



मुख्य बिन्दु:

प्रसार भारती

- **परिचय:** यह एक स्वायत्त सांविधिक निकाय है जो भारत के पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टर के रूप में कार्य करता है।
- यह घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय कवरेज के लिए दूरदर्शन और आकाशवाणी का संचालन करता है।
- **लक्ष्य:** लोक हित के मामलों पर बिना किसी पूर्वाग्रह या पक्षपात के निष्पक्ष और संतुलित जानकारी प्रसारित करना।
- **मुख्य कवरेज क्षेत्रक:** शिक्षा, साक्षरता, कृषि, ग्रामीण विकास, पर्यावरण, स्वास्थ्य और विज्ञान।

--:12:--

अग्नि सुरक्षा सप्ताह (4 से 10 मई, 2026)



चर्चा में क्यों?

- 4 मई, 2026 को नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन-1 पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रव्यापी अग्नि सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजन: 4 से 10 मई, 2026
- वर्ष 2026 का विषय/थीम: "सुरक्षित विद्यालय, सुरक्षित अस्पताल और अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज: अग्नि निवारण के लिए एकजुट"।
- आयोजक: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।
- मुख्य उद्देश्य: देश भर के स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में अग्नि रोकथाम और सुरक्षा उपायों को मज़बूत करना।

विश्व एथलेटिक्स रिले, 2026

चर्चा में क्यों?

- विश्व एथलेटिक्स रिले, 2026 का आयोजन 2 और 3 मई, 2026 को बोत्सवाना के गैबोरोन में स्थित बोत्सवाना राष्ट्रीय स्टेडियम में किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- मेजबान:** गैबोरोन, बोत्सवाना। (पहली बार अफ्रीकी महाद्वीप पर इसका आयोजन हुआ।)
- संस्करण:** बोत्सवाना की राजधानी शहर (गैबोरोन) में विश्व एथलेटिक्स रिले का 8वाँ संस्करण आयोजित किया गया।
- देबस्वाना वर्ल्ड एथलेटिक्स रिलेज़ गैबोरोन 26 के कार्यक्रम में छह स्पर्धाएं शामिल हैं:**
 - महिलाओं की 4x100 मीटर रिले और 4x400 मीटर रिले
 - पुरुषों की 4x100 मीटर रिले और 4x400 मीटर रिले
 - मिश्रित 4x100 मीटर रिले और 4x400 मीटर रिले

--:14:--

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



भारत का प्रदर्शन:

- भारत ने इस प्रतियोगिता में 21 सदस्यीय टीम भेजी थी, जिसने छह में से पांच स्पर्धाओं में भाग लिया।
- **राष्ट्रीय रिकॉर्ड:** रघु कुमार, नित्या गांधे, अनिमेष कुजुर और स्नेहा सत्यनारायण शानुवल्ली की मिश्रित 4x100 मीटर चौकड़ी ने 41.35 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में छठा स्थान हासिल किया, लेकिन इस प्रक्रिया में एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। पिछला रिकॉर्ड 42.30 सेकंड का था, जो इसी साल चंडीगढ़ में बनाया गया था।
- मिश्रित 4x400 मीटर रिले में, तीर्थेश पी. शेट्टी, कुमारी सलोनी, निहाल विलियम और रशदीप कौर की भारतीय टीम ने अपनी हीट में 3:19.40 के समय के साथ पाँचवाँ स्थान हासिल किया।
- **परिणाम:** भारतीय टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई करने या वर्ष 2027 विश्व चैंपियनशिप के लिए सीधा कोटा हासिल करने में असफल रहीं।

--:15:--

AFC चैंपियंस लीग, 2026

चर्चा में क्यों?

- सऊदी अरब के क्लब अल-अहली ने जापान के माचिदा ज़ेल्विया को 1-0 से हराकर लगातार दूसरी बार AFC चैंपियंस लीग एलीट (AFC; चैंपियंस लीग एलीट) का खिताब जीत लिया है।



मुख्य बिन्दु:

- आयोजन: जेद्दाह
- विजेता: अल-अहली (सऊदी अरब)
- उपविजेता: माचिदा ज़ेल्विया (जापान); पहली बार फाइनल में पहुँची थी।
- इस जीत से अल-अहली शहर की दूसरी टीम अल-इत्तिहाद के बाद लगातार दो एशियाई खिताब जीतने वाली पहली टीम बन गई है।

--:16:--

अंतर्राष्ट्रीय विश्व खेल संघ में शामिल हुआ फिडे



CHESS JOINS THE INTERNATIONAL WORLD GAMES ASSOCIATION

मुख्य बिन्दु:

- 25 अप्रैल, 2026 को अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय विश्व खेल संघ (IWGA) में एक सदस्य महासंघ के रूप में शामिल हो गया है।
- यह निर्णय लुसाने, स्विट्जरलैंड में आयोजित IWGA की वार्षिक आम बैठक (AGM) में लिया गया।
- **सदस्यता:** FIDE के जुड़ने के बाद IWGA की सदस्यता बढ़कर 40 संघ हो गई है।

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप, 2026

चर्चा में क्यों?

- एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप, 2026 में भारत के सुजीत कलकल और अभिमन्यु मांडवाल ने क्रमशः पुरुषों के फ्रीस्टाइल 65kg और 70kg वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए।



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन:** 6 से 12 अप्रैल, 2026 तक बिश्केक, किर्गिस्तान में 22वाँ संस्करण आयोजित किया गया।

भारत का प्रदर्शन:

- **भारतीय दल:** भारत ने वर्ष 2026 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप, 2026 के लिए 30 पहलवान भेजे थे, जिनमें पुरुष फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन वर्ग में 10-10 पहलवान शामिल थे।

--:18:--

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



- **कुल 17 पदक:** 2 स्वर्ण + 7 रजत + 8 कांस्य (पुरुषों की फ्रीस्टाइल टीम; 7 पदक + ग्रीको-रोमन पहलवान; 5 पदक + महिलाओं की टीम; 5 पदक)

पदक विजेता पहलवान:

- **2 स्वर्ण:** सुजीत कलकल (पुरुष 65kg), अभिमन्यु मांडवाल (पुरुष 70kg)
- **7 रजत:** ललित सहरावत (ग्रीको-रोमन 55kg), नितेश सिवाच (ग्रीको-रोमन 97kg), अमन सहरावत (पुरुष 61kg), मुकुल दहिया (पुरुष 86kg), मीनाक्षी गोयत (महिला 53kg) और संदीप मान (पुरुष 79kg)।
- **8 कांस्य:** सुनील कुमार (ग्रीको-रोमन 87kg ब्रॉन्ज़), प्रिंस (ग्रीको-रोमन 82kg ब्रॉन्ज़), सचिन सहरावत (ग्रीको-रोमन 67kg ब्रॉन्ज़), हंसिका लांबा (महिला 55kg), नेहा (महिला 59kg), मोनिका (महिला 65kg), हर्षिता (महिला 72kg), अंकुश (पुरुष 57kg), दिनेश (पुरुष 125kg)।
- **सुजीत कलकल (पुरुष 65kg):** फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं के 65 किलोग्राम वर्ग में सुजीत उज्बेकिस्तान के उमिदजोन जलोलोव को 8-1 से हराया।
- **अभिमन्यु मांडवाल (पुरुष 70kg):** 70 किलोग्राम वर्ग में अभिमन्यु मांडवाल ने मंगोलिया के ओलंपियन तोमोर-ओचिरिन तुलगा को 5-3 से हराया।

--:19:--

भूगोल एवं भू-विज्ञान

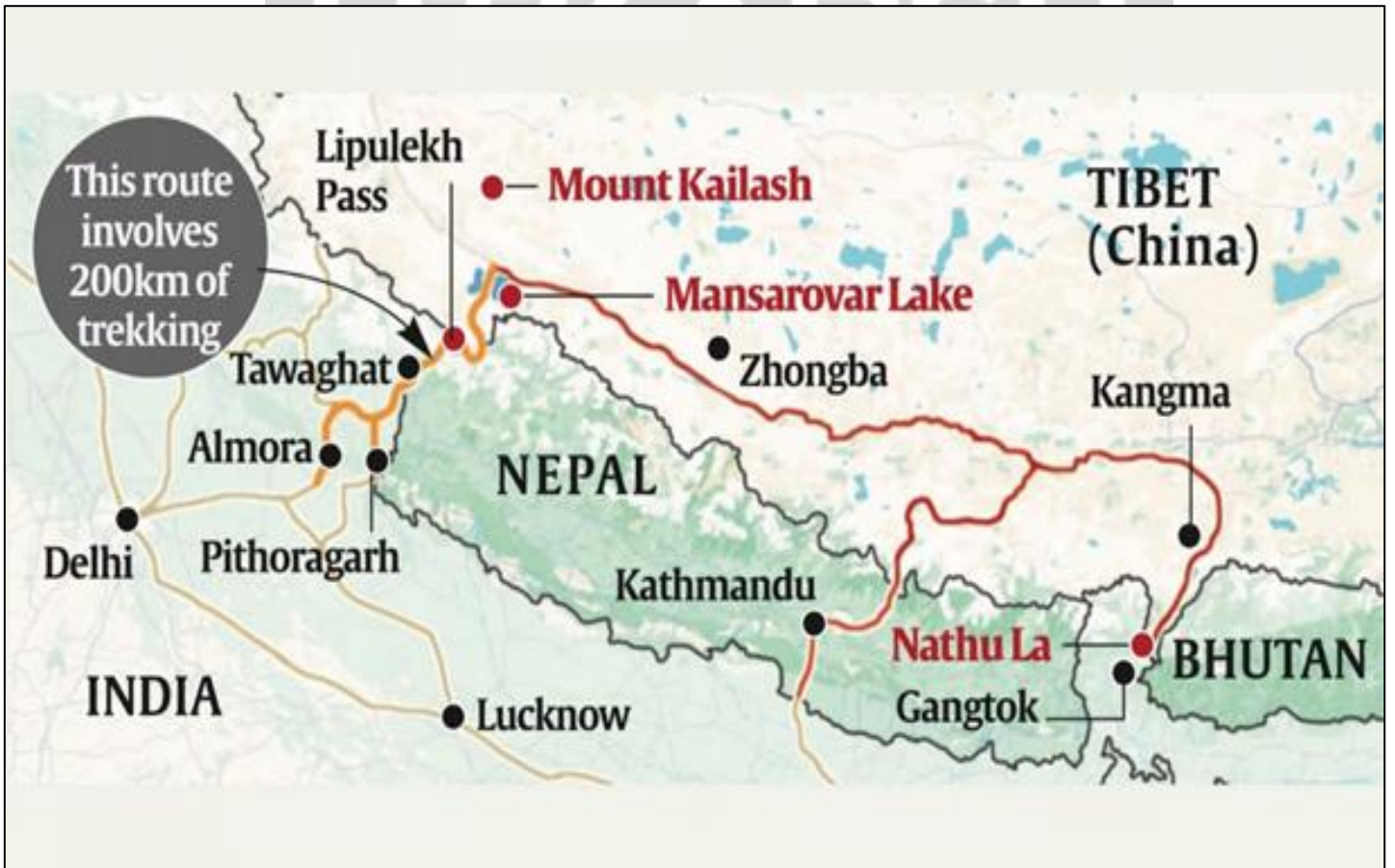
लिपुलेख दर्रा

चर्चा में क्यों?

- नेपाल ने भारत द्वारा कैलाश मानसरोवर यात्रा को लिपुलेख दर्रे के रास्ते फिर से शुरू करने पर आपत्ति जताई है। नेपाल का कहना है कि यह क्षेत्र 1816 की सुगौली संधि के आधार पर उसका हिस्सा है।

मुख्य बिन्दु:

- वहीं, भारत ने इन दावों को अनुचित और ऐतिहासिक रूप से गलत बताया है और कहा है कि लिपुलेख पास लंबे समय से कैलाश मानसरोवर यात्रा का पारंपरिक मार्ग रहा है।



Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



लिपुलेख दर्रा:

- **अवस्थिति:** यह उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में भारत, नेपाल और चीन के त्रिकोणीय जंक्शन के निकट स्थित एक उच्च तुंगता वाला पहाड़ी दर्रा है।
- **संपर्क:** यह भारतीय राज्य उत्तराखंड को चीन के तिब्बत क्षेत्र से जोड़ता है।
- **ऊंचाई:** यह लगभग 5,334 मीटर (17,500 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है।



--:21:--

आर्थिक घटनाक्रम

FDI नियमों में बदलाव

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने FEMA के तहत 10% तक चीन की हिस्सेदारी वाली विदेशी कंपनियों के लिए FDI नियमों में ढील को अधिसूचित किया।



मुख्य बिन्दु:

- इस अधिसूचना के बाद अब ऐसी विदेशी कंपनियां जिनमें चीनी हिस्सेदारी 10% तक है, वे भारत में स्वचालित मार्ग (ऑटोमेटिक रूट) के तहत निवेश कर सकती हैं। यानी सरकार की पहले से स्वीकृति की जरूरत नहीं होगी।
- वर्ष 2020 में, भारत ने उन देशों से आने वाले प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर अंकुश लगा दिया था जिनके साथ वह भूमि सीमा साझा करता है।

--:22:--

FDI नियमों में किए गए अन्य बदलाव:

- **बीमा क्षेत्रक में 100% FDI:** निजी क्षेत्र की बीमा कंपनियों और मध्यवर्तियों को सरकार की पूर्व स्वीकृति के बिना (स्वचालित मार्ग) 100% FDI की अनुमति है।
- हालांकि, भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) में विदेशी निवेश की ऊपरी सीमा अभी भी 20% ही रहेगी।
- ये परिवर्तन आधिकारिक तौर पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन (द्वितीय संशोधन) नियम, 2026 के द्वारा लागू किए गए थे।
- **महत्त्व:** भारत में विदेशी निवेश बढ़ेगा, व्यापार करना आसान होगा, अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

भारत में FDI के लिए विनियामक ढांचा

- FDI को विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (FEMA), 1999 के माध्यम से विनियमित किया जाता है।
- **प्रशासन:** भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा।
- **नोडल निकाय:** केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ED)।

भारतीय शासन एवं राजव्यवस्था

संसदीय समितियाँ

चर्चा में क्यों?

- लोकसभा अध्यक्ष ने 2026-27 कार्यकाल के लिए चार संसदीय समितियों का पुनर्गठन किया।



मुख्य बिन्दु:

- संसदीय समितियाँ संसद के सदस्यों का समूह होती हैं, जो सरकार के कामकाज की जाँच करती हैं और जवाबदेही सुनिश्चित करती हैं।

दो प्रकार की संसदीय समितियाँ:

- स्थायी समितियाँ (स्थायी और नियमित): इनमें वित्तीय समितियाँ और 24 'विभाग-संबंधित स्थायी समितियाँ (DRSCs)' शामिल हैं।

Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



- **तदर्थ समितियाँ:** ये किसी विशेष उद्देश्य के लिए गठित की जाती हैं और कार्य पूरा होने पर भंग हो जाती हैं। इनमें विभिन्न विधेयकों पर प्रवर (Select) और संयुक्त (Joint) समितियाँ शामिल हैं।

संसदीय समितियों की भूमिका

- **विधायी कार्यों की निरंतर निगरानी:** ये समितियाँ संसद के सीमित सत्र-अवधि के बाहर भी कार्यपालिका के कार्यों पर नजर रखती हैं और जवाबदेही सुनिश्चित करती हैं।
- **नीतियों और कानूनों की विस्तृत जाँच:** ये समितियाँ विधेयकों की प्रत्येक धारा की जाँच करती हैं, जिससे बेहतर और सूचित निर्णय लेना संभव होता है। इससे कार्यपालिका की मनमानी कम होती है।
- **सरकारी संस्थाओं के प्रदर्शन का मूल्यांकन:** सार्वजनिक उपक्रमों संबंधी समिति जैसी समितियाँ सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (PSUs) की कार्यक्षमता और कामकाज का आकलन करती हैं।

--:25:--

नीति आयोग का पुनर्गठन



चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत सरकार ने नीति (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) आयोग का पुनर्गठन किया गया।

NITI Aayog



National Institution for Transforming India

सत्यमेव जयते



मुख्य बिन्दु:

- नए उपाध्यक्ष:** सुमन बेरी के स्थान पर अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी (पश्चिम बंगाल के पूर्व विधायक, पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार, 15वें वित्त आयोग के सदस्य) को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

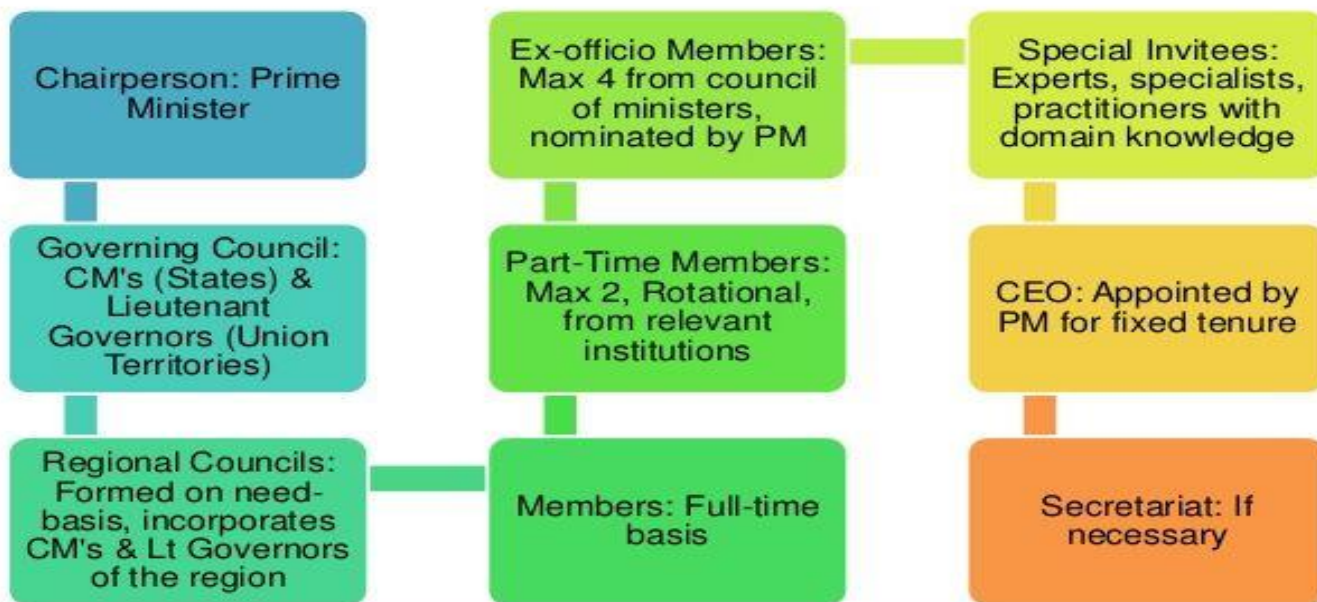
- **CEO:** बीवीआर सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल पूरा होने के बाद निधि छिब्वर को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।
- **पाँच नए पूर्णकालिक सदस्य:** पाँच नए पूर्णकालिक सदस्यों को शामिल किया गया है, जिनमें से तीन स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी (डीप टेक) जैसे क्षेत्रों से संबंध रखते हैं।
- **डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम जी और डॉ. जोरम अनिया:** सरकार ने डॉ. जोराम अनिया और डॉ. आर. बालासुब्रमण्यम को नीति आयोग का पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया है, जिससे आयोग की कोर टीम 7 सदस्यों की हो गई है। अरुणाचल प्रदेश की डॉ. अनिया इस पद तक पहुँचने वाली राज्य की पहली व्यक्ति हैं और निशी समुदाय की पहली महिला पीएचडी धारक भी हैं।
- **गोवर्धन दास:** प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर (डॉ.) गोवर्धन दास को नीति आयोग का नया पूर्णकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है।
- **अन्य सदस्य:** पूर्व कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, के.वी. राजू (अर्थशास्त्री), एम. श्रीनिवास (एम्स निदेशक) और अभय करंदीकर (DST सचिव) हैं।
- **संरचनात्मक बदलाव:** आयोग का ध्यान अब पारंपरिक अर्थशास्त्र से हटकर स्वास्थ्य, जैव प्रौद्योगिकी और डीप टेक (अत्याधुनिक तकनीक) पर अधिक है।

नीति आयोग

- **नीति आयोग (NITI: National Institution for Transforming India)-** भारत के रूपान्तरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान
- **स्थापना:** 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग (मार्च, 1950) के स्थान पर कार्यकारी प्रस्ताव द्वारा स्थापित किया गया।

■ संगठन:

Composition of NITI Aayog



■ नीति आयोग के 7 स्तंभ:



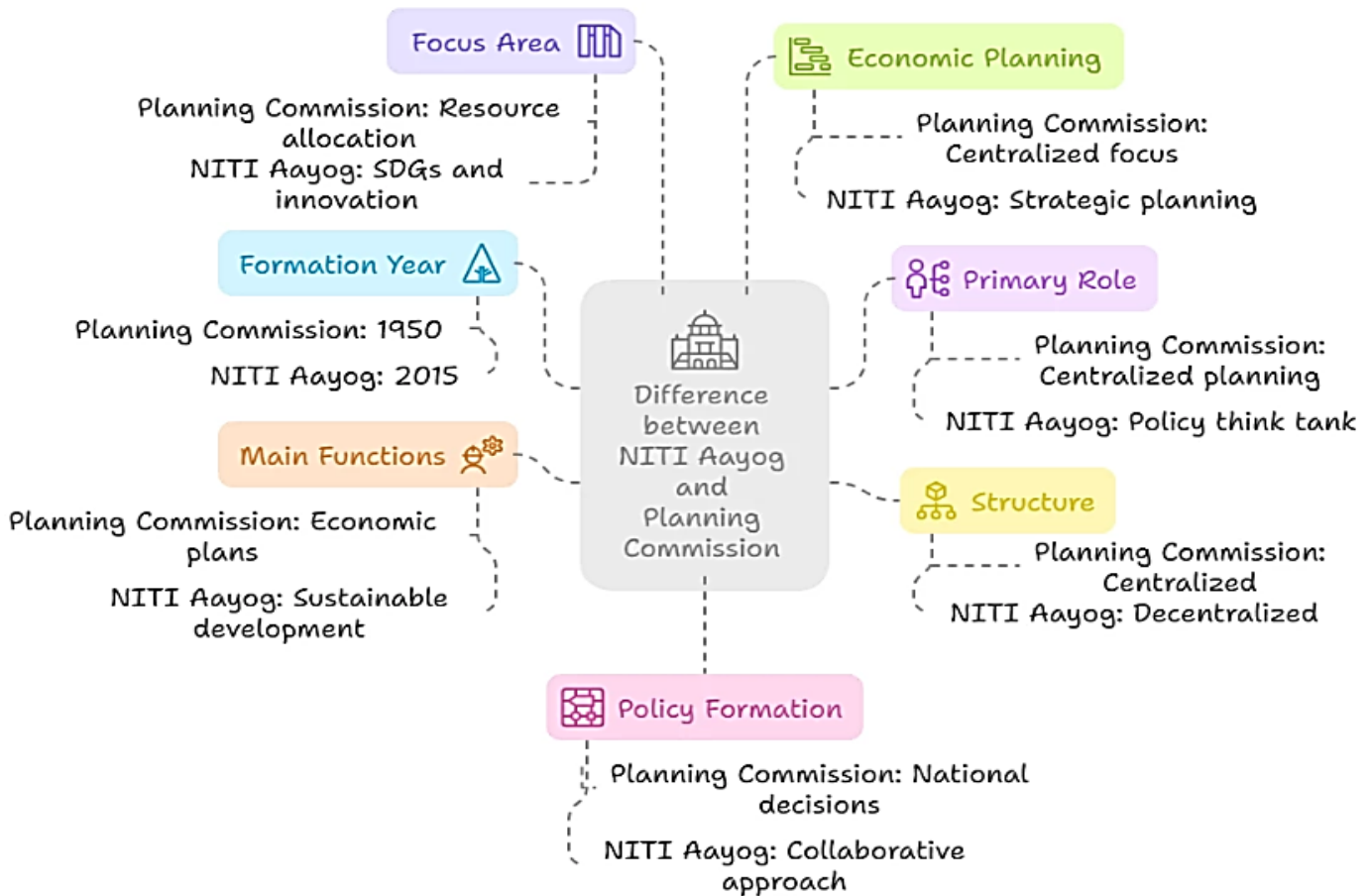
■ नीति आयोग की प्रमुख पहलें: SDG इंडिया इंडेक्स, समग्र जल प्रबंधन सूचकांक, स्कूल शिक्षा गुणवत्ता सूचकांक, जिला अस्पताल सूचकांक, स्वास्थ्य सूचकांक, भारत नवाचार सूचकांक, कृषि विपणन और किसान हितैषी सुधार सूचकांक, सुशासन सूचकांक, अटल नवाचार मिशन, SATH परियोजना, आकांक्षी जिला कार्यक्रम, वुमन ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया अवार्ड्स, महिला उद्यमिता मंच, 75 वर्ष के नए भारत की रणनीति, मेथनॉल अर्थव्यवस्था कार्यक्रम ई-अमृत पोर्टल

कोर फिलॉसफी:

- **सहकारी संघवाद:** योजना आयोग के विपरीत, जो राज्यों पर नीतियाँ थोपता था, नीति आयोग राज्यों को राष्ट्रीय विकास प्रक्रिया में समान भागीदार के रूप में मानता है।
- **प्रतिस्पर्द्धी संघवाद:** यह राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धा को प्रोत्साहित करता है, ताकि वे विभिन्न सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों (जैसे-स्वास्थ्य, शिक्षा, जल प्रबंधन आदि) में अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकें।

नीति आयोग बनाम योजना आयोग:

Comparative Analysis of Planning Commission and NITI Aayog

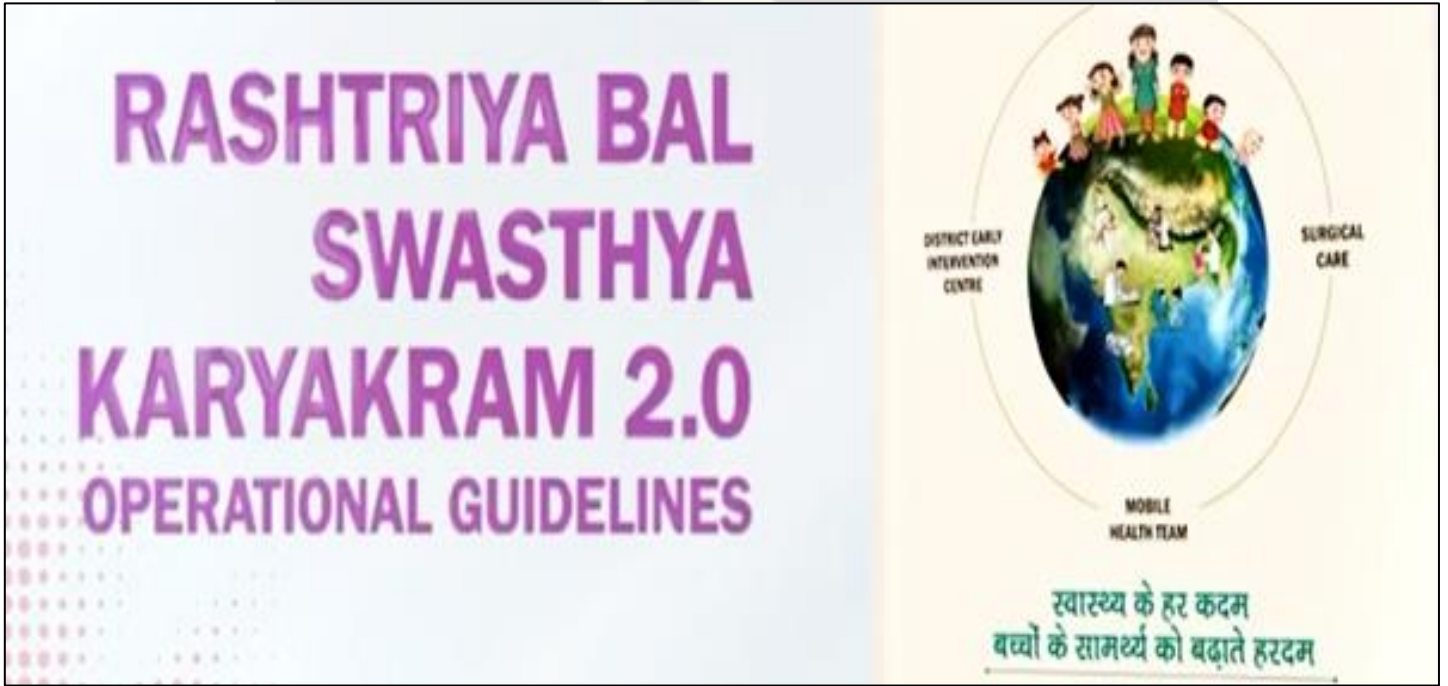


योजनाएँ एवं नीतियाँ

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) 2.0

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 'राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) 2.0 दिशानिर्देश' जारी किए।



मुख्य बिन्दु:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू किया गया राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एक महत्वाकांक्षी पहल है। इसका उद्देश्य बच्चों की स्वास्थ्य जाँच करना और समय पर उपचार सेवाएँ प्रदान करना है।
- इसमें बच्चों के जन्म से लेकर 18 वर्ष की आयु तक स्वास्थ्य जाँच की जाती है। यह जाँच 4 D's के लिए की जाती है: जन्मजात विकार, बीमारियाँ, पोषक तत्वों की कमियाँ, विकास में देरी।

RBSK दिशा-निर्देशों की मुख्य विशेषताएँ

- **4Ds ढाँचे का विस्तार:** अब इसमें नई तरह की स्वास्थ्य समस्याएँ भी शामिल होंगी; जैसे गैर-संचारी रोग, मानसिक स्वास्थ्य विकार और व्यवहार से जुड़ी परेशानियाँ।
- **स्वास्थ्य जाँच में जीवन-चक्र आधारित दृष्टिकोण को बढ़ावा:** इसमें बच्चे के विकास के हर चरण में लगातार स्वास्थ्य देखभाल पर जोर दिया गया है, न कि अलग-अलग समय पर अलग-अलग उपचार।
- **अन्य विशेषताएँ:** रेफरल सिस्टम को सुदृढ़ बनाया गया है और उपचार की निरंतरता सुनिश्चित की गई है। डिजिटल हेल्थ कार्ड शुरू किए गए हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM)

- **मंत्रालय:** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का कार्यक्रम।
- **उद्देश्य:** सभी लोगों को वहनीय, समान और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य-देखभाल सेवाएँ उपलब्ध कराना, तथा राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली मजबूत करने में सहायता देना।
- **योजना का प्रकार:** केंद्र प्रायोजित योजना।
- **NHM के उप-मिशन:** राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (NRHM) और राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NUHM)।



अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य



CINBAX अभ्यास



मुख्य बिन्दु:

- भारतीय थल सेना की एक टुकड़ी भारत-कंबोडिया द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास के दूसरे संस्करण (CINBAX-II) के लिए कंबोडिया रवाना हुई।

CINBAX अभ्यास

- **परिचय:** यह भारतीय थल सेना का रॉयल कंबोडियाई सेना के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास है।
- **उद्देश्य:** दोनों देशों की सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता, समन्वय और परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना।

⌚ विज्ञान प्रौद्योगिकी 🌡️

OptoSAR सैटेलाइट मिशन 'दृष्टि' प्रक्षेपित

📢 चर्चा में क्यों?

- विश्व का पहला OptoSAR सैटेलाइट मिशन 'दृष्टि' प्रक्षेपित किया गया। भारतीय स्पेस स्टार्टअप गैलेक्सीआई (GalaxEye) द्वारा विकसित यह मिशन स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया।



📌 मुख्य बिन्दु:

- यह मिशन भारत में निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन सैटेलाइट है।
'मिशन दृष्टि'
- **OptoSAR का उपयोग:** यह एक ही प्लेटफॉर्म पर मल्टीस्पेक्ट्रल इमेजिंग और सिंथेटिक अपरचर रडार को संयोजित करने वाला पहला मिशन है।
- **कक्षा:** इस मिशन को सूर्य-तुल्यकालिक निम्न पृथ्वी कक्षा (Sun-synchronous LEO) में स्थापित किया गया है।

- LEO में स्थापित सैटेलाइट्स लगभग 160 किलोमीटर से 2,000 किलोमीटर की ऊँचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं।
- **क्षमता:** यह हर मौसम में और दिन-रात काम कर सकता है और तस्वीरें प्रदान कर सकता है।
- यह अंतरिक्ष से सुदृढ़ निगरानी में मदद करेगा।

OptoSAR

- यह हार्डवेयर (मशीन/उपकरण) और सॉफ्टवेयर (प्रोग्राम) की एक पूरी प्रणाली है, जो मिलकर समन्वय में कार्य करेगी।
- **प्रयुक्त तकनीक:** SyncFusion स्टैक।
- यह मिशन पहले के उपग्रहों की निम्नलिखित कमियों को दूर करता है:
 - **ऑप्टिकल सेंसर्स:** ये स्पष्ट और समझने में आसान तस्वीरें देते हैं, लेकिन बादल और अंधेरे में कार्य नहीं कर पाते।
 - **SAR (सिंथेटिक अपर्चर रडार):** यह बादलों के पार निगरानी कर सकता है और दिन-रात, दोनों अवधियों में कार्य कर सकता है। हालांकि, इसकी तस्वीरें समझना थोड़ा मुश्किल होता है।
- मिशन दृष्टि में उपर्युक्त दोनों की विशेषताएँ शामिल हैं।

भारतीय स्पेस स्टार्टअप्स की उपलब्धियां

- **अग्निकुल कॉस्मॉस:** इसने विश्व का पहला 3-D प्रिंटेड रॉकेट इंजन बनाया।
- **स्काईरूट:** इसने भारत में निजी क्षेत्र द्वारा निर्मित प्रथम रॉकेट का परीक्षण किया।
- **इन्स्पेसिटी (InspeCity):** यह सैटेलाइट का सेवाकाल बढ़ाने की तकनीक विकसित करता है। साथ ही, यह अंतरिक्ष में ही सैटेलाइट की सर्विसिंग करने के लिए भारत का पहला पूरी तरह से एकीकृत प्लेटफॉर्म है।

MRI प्रणाली



चर्चा में क्यों?

- एम्स (AIIMS) दिल्ली ने भारत का पहला पोर्टेबल बेडसाइड मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (MRI) प्रणाली प्रस्तुत की।



मुख्य बिन्दु:

MRI सिस्टम

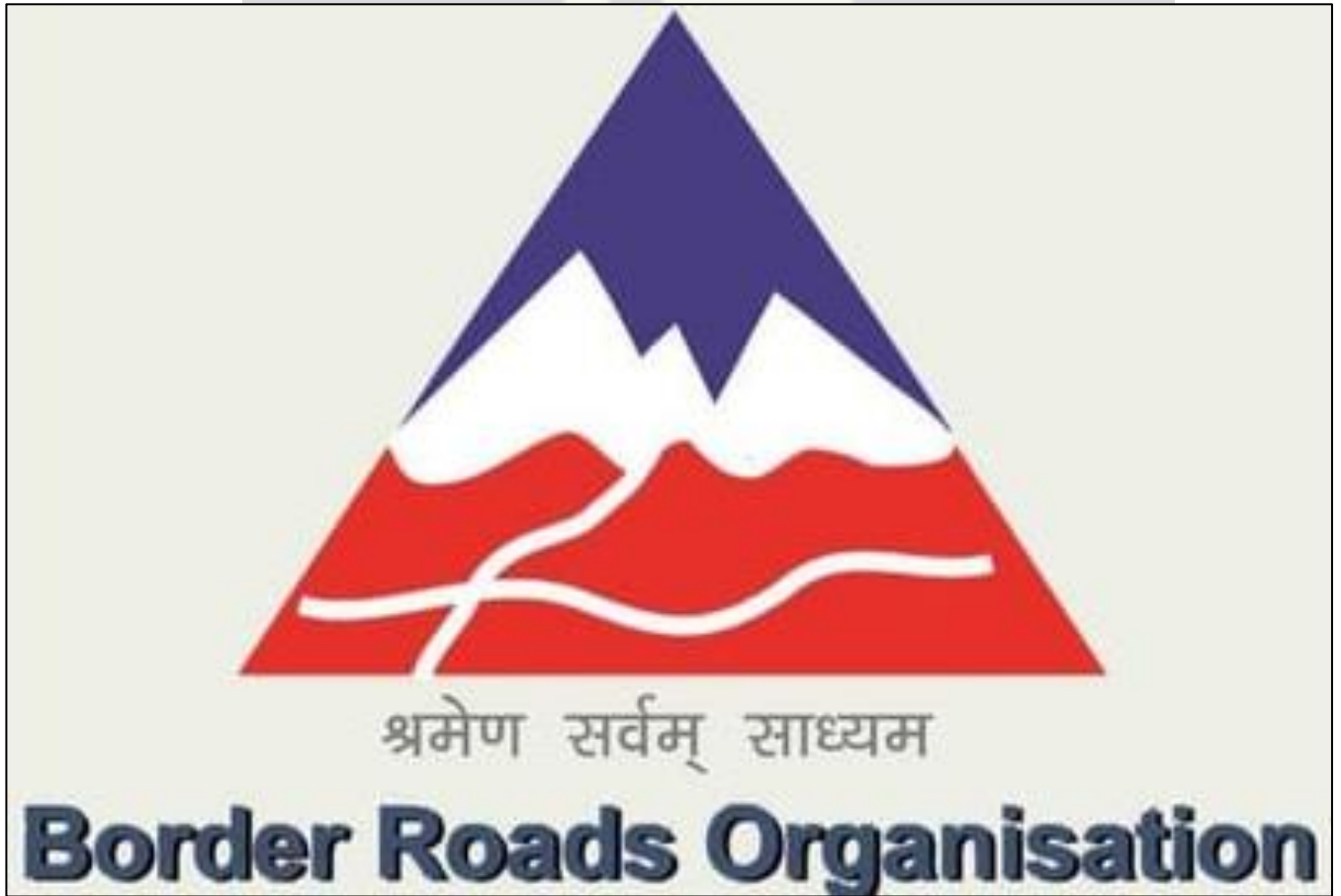
- MRI एक मेडिकल इमेजिंग तकनीक है। यह किसी व्यक्ति के शरीर के अंगों और ऊतकों की विस्तृत छवियाँ बनाने के लिए चुंबकीय क्षेत्र और कंप्यूटर-सृजित रेडियो तरंगों का उपयोग करती है।
- MRI, किसी चिकित्सा पेशेवर के लिए व्यक्ति के अंगों, ऊतकों और कंकाल प्रणाली की जाँच करने का एक गैर-शलयात्मक तरीका है।
- यह तकनीक शरीर के अंदर की हाई-रिज़ॉल्यूशन वाली छवियाँ तैयार करती है। इससे विभिन्न प्रकार के रोगों की जाँच और उपचार में मदद मिलती है।

--:35:--

प्रोजेक्ट दीपक और सीमा सड़क संगठन (BRO)

चर्चा में क्यों?

- सीमा सड़क संगठन (BRO) ने 4 मई, 2026 को शिमला, हिमाचल प्रदेश में 'प्रोजेक्ट दीपक' का 66वाँ स्थापना दिवस मनाया, जो पश्चिमी हिमालय के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में छह दशकों से अधिक की समर्पित सेवा का प्रतीक है।



मुख्य बिन्दु:

- 2024-25 में, सीमा सड़क संगठन (BRO) ने देश को 356 अवसंरचना परियोजनाएँ समर्पित कीं और 16,690 करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक व्यय दर्ज किया।
- बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) द्वारा 7 मई, 2026 को अपना 67वाँ स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

- बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) के प्रोजेक्ट दंतक ने 24 अप्रैल, 2026 को भूटान के थिम्फू में अपना 66वाँ स्थापना दिवस मनाया।
- हिमाचल प्रदेश के शिमला, किन्नौर, कुल्लू और लाहौल-स्पीति जैसे प्रमुख जिलों में कार्यरत 'प्रोजेक्ट दीपक' BRO की सबसे पुरानी परियोजनाओं में से एक है।
- वर्ष 1961 में स्थापित यह परियोजना देश के सबसे दुर्गम इलाकों में महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के निर्माण में सहायक रही है।
- बुनियादी ढाँचे के विकास के साथ-साथ, इस परियोजना ने आपदा प्रबंधन और मानवीय सहायता के प्रति भी असाधारण प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान इस प्रोजेक्ट के तहत कई सफल बचाव अभियान चलाए गए हैं। (बारालाचा ला दर्रे और चंद्रताल में रेस्क्यू ऑपरेशन)

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु:

सीमा सड़क संगठन (BRO; बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन):

- **परिचय:** सीमा सुरक्षा संगठन (BRO) भारत सरकार की प्रमुख सीमा अवसंरचना एजेंसी है। यह दूरस्थ और रणनीतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण संपर्क स्थापित करने और उसे बनाए रखने का कार्य करती है।
- **मंत्रालय:** 2015-16 से, BRO पूरी तरह से रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्यरत है। इससे पहले, यह आंशिक रूप से सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अधीन थी।
- **स्थापना:** 7 मई, 1960 को स्थापित बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) का एक सरल लेकिन प्रेरणादायक सिद्धांत है: "श्रमेना सर्वम सध्यम" जिसका अर्थ है "कठिन परिश्रम से सब कुछ संभव है"।
- यह संगठन जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स (GREF) और भारतीय सेना के इंजीनियर अधिकारियों के दो स्तंभों पर टिका है।

- **कार्य:** सीमा सड़क संगठन सैन्य और नागरिक दोनों जरूरतों को पूरा करने के लिए सीमावर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में रणनीतिक सड़कों, पुलों, सुरंगों और हवाई अड्डों का निर्माण और रखरखाव करता है।
- वर्ष 2024 और 2025 में, सीमा सड़क संगठन (BRO) द्वारा निष्पादित 356 अवसंरचना परियोजनाएँ राष्ट्र को समर्पित की गई हैं।
- सीमा सड़क संगठन (BRO) की प्रमुख परियोजनाएँ:



Daily Current Affairs

Date : 05 May, 2026



- अरुणाचल प्रदेश:** BRO की वर्तक, अरुणांक, उदयक और ब्रह्मांक जैसी परियोजनाएँ भारत की कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण सीमाओं से निपटती हैं, जो सिसरी ब्रिज, सियोम ब्रिज, सेला टनल और नेचीफू टनल सहित महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे के माध्यम से दूरस्थ गाँवों को वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) से जोड़ती हैं।
- लद्दाख:** हिमांक, बीकन, दीपक, विजयक और योजन जैसी परियोजनाएँ कारगिल, लेह और काराकोरम क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण जीवन रेखाओं को बनाए रखती हैं, जिनमें श्रीनगर-लेह राजमार्ग, दारबुक-श्योक-डीबीओ (DS-DBO) सड़क, अटल सुरंग और निर्माणाधीन शिंकू ला सुरंग जैसे रणनीतिक मार्ग शामिल हैं, जो हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित करते हैं।
- सिक्किम:** स्वास्तिक परियोजना
- मिजोरम:** पुष्पक परियोजना
- असम और मेघालय:** सेतुक परियोजना
- नागालैंड और मणिपुर:** सेवक परियोजना
- पश्चिमी सीमा:** पश्चिमी सीमाओं पर जम्मू में संपर्क और राजस्थान में चेतक परियोजनाएँ रणनीतिक गतिशीलता को बढ़ा रही हैं।
- छत्तीसगढ़:** हीराक परियोजना छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में कनेक्टिविटी का विस्तार करता है।

--:39:--